कुश सिंह :—

इनका जन्म प्रतापगढ मदर हास्पिटल में हुआ था। जन्म के समय इनका वजन 2Kg 100gm था। जन्म के ~~साथ~~ समय स्वास्थ्य सन्तोषजनक था। धीरे-2 जब बड़े हुए तब पता चला कि वह विकलांग है। कई जगह जैसे-Puna Allhabad, Prabapgarh की Hospital मे दिखाया गया। लेकिन कोई Improvement नही हुआ। काफी परेशानी हुई लेकिन Parent's निराश नही हुये। कुछ विश्वस्थ सूत्रो से तिशला के विषय मे जानकारी हुयी। तब कुश को Puna से Allhabad ले आया गया। और dr. J.K Jain के देखरेख मे इलाज हुआ। इन्होने सर्जरी करवाने की सलाह दी। जिससे सर्जरी करायी गयी। इसके बाद 6 Months Exercise हुआ। जिससे काफी परिवर्तन हुआ। पहले चल नही पाते थे। बैठ नही पाते थे। हाथ पैर मुड़ा रहता था। पलथी मारकर बैठ नही पाते थे। घोड़ा बनकर भी नही चल पाते थे। कमर से झुके रहते थे। बायाँ हाथ काम नही करता था। रंग मे difference नही कर पाते थे। स्टूल व मेज पे बैठ नही पाते थे। दोनो पैर आपस मे जुड़े रहते थे। अब बाकर पकड़ कर चलने लगा है। बैठने लगा है। पलथी मारकर बैठ लेता है। बायें हाथ में काफी सुधार हुआ है। कमर मे भी सुधार है। हाथ काम करता है। स्टूल पर बैठ लेता है। स्टूल पकड़कर खड़े रहते है। सीढी चढ लेते है। घोड़ा बनकर चलने लगा है। अपने हाथ से खाना खा लेता है। रंग पहचान लेता है। काफी हद तक सुधार हुआ है। लेकिन पूरी तरह नही। Parent's की आर्थिक स्थिति अच्छी नही है। इसी कारण घर जाना पड़ रहा है।